Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 09-05-2005

Participants : Prasad Shri Hari Kewal

an>

Title: Need to review new catering policy of Railways.

श्री हरिकेवल प्रसाद (सलेमपुर) : सरकार की रेल की नई खान-पान नीति कई दृटियों से दोापूर्ण है और वर्तमान रेल यात्रियों को इस खान-पान नीति से कोई फायदा नहीं है, केवल बड़ी कम्पनियों को फायदा हो रहा है। रेलों एवं प्लेटफार्मों पर खाने-पीने की जो चीजें मिल रही हैं, वे अत्यंत महंगी हैं और उनका स्तर बहुत ही घटिया है। यह सब नई खान-पान नीति का परिणाम है। रेल की खान-पान नीति का उद्देश्य है उसके यह ि वपरीत है। रेलों में केवल अमीर वर्ग यात्रा नहीं करता है, वह 15 रुपए की चाय नहीं पी सकता, 25-25 रुपए के बर्गर नहीं खा सकता है। लगता है यह खान-पान नीति अमीर वर्ग के लिए ही है। उदाहरण के तौर पर मैं सांसद एवं पूर्व सांसद की हैसियत से दो दशकों से रेल यात्रा वैशाली रेल सेवा में कर रहा हूं, परन्तु इस रेल सेवा में खान-पान का स्तर इतना घटिया है कि खाने का मन नहीं करता है। इससे पूर्व खाना स्वादिट और गुणात्मक स्तर का होता था।

सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि इस नई कार्यरत खान-पान नीति को तुरन्त समाप्त किया जाए और रेल यात्रियों के हित में नई खान-पान नीति बनाई जाए। जब तक नई खान-पान नीति नहीं बन कर आती है, तब तक इससे पहले वाली खान-पान नीति को चालू किया जाए।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Chandra Bhushan Singh – Not present.